



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

ALL MEMBERS ENJOY FREEDOM TO EXPRESS THEIR VIEWS IN LOK SABHA: LOK SABHA SPEAKER/लोक सभा में सभी सदस्य अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

GLOBAL ISSUES SHOULD BE RESOLVED PEACEFULLY THROUGH DIALOGUE: LOK SABHA SPEAKER/वैश्विक मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

THERE IS BROAD CONSENSUS TO BRING ABOUT REFORMS IN GLOBAL INSTITUTION TO REFLECT REALITIES OF RAPIDLY CHANGING WORLD ORDER: LOK SABHA SPEAKER/तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार लाने के मामले में व्यापक सहमति है: लोक सभा अध्यक्ष

...

REFORM IN THE UN SECURITY COUNCIL CANNOT BE DELAYED ANY FURTHER: LOK SABHA SPEAKER/संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार में और देरी नहीं की जा सकती: लोक सभा अध्यक्ष

...

INDIA IS LEADING WORLD IN ARTICULATION OF GLOBAL CLIMATE ACTION PLAN: LOK SABHA SPEAKER/वैश्विक जलवायु कार्य योजना को कार्यरूप देने में भारत विश्व में अग्रणी है: लोकसभा अध्यक्ष

...

BUILDING INCLUSIVE AND TOLERANT SOCIETY IS ONLY POSSIBLE THROUGH PEACEFUL COEXISTENCE AND MUTUAL DISCUSSIONS: LOK SABHA SPEAKER/समावेशी और सहिष्णु समाज का निर्माण शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और आपसी चर्चा से ही संभव है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES DELEGATES ON "PROMOTING PEACEFUL CO-EXISTENCE AND INCLUSIVE SOCIETIES: FIGHT AGAINST INTOLERANCE" AT 146TH ASSEMBLY OF INTER-PARLIAMENTARY UNION/लोक सभा अध्यक्ष ने अंतर-संसदीय संघ की 146वीं सभा में "शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और समावेशी समाज को बढ़ावा देना: असहिष्णुता के विरुद्ध लड़ाई" विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित किया

Manama (Bahrain), 12 March 2023: Sharing his thoughts on the subject - "Promoting peaceful co-existence and inclusive societies: Fight against intolerance" at the General Debate during 146th Assembly of Inter-Parliamentary Union, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla referred to the unhindered right of Members to express their views in Parliament. Mentioning that in India we have a robust participatory democracy and a vibrant multiparty system where hopes and aspirations of the citizens find expression through the elected representatives, he told that all Members enjoy the freedom to express their views and thoughts in Lok Sabha..

Reiterating India's longstanding view that all global issues should be resolved peacefully through dialogue, he informed that the Parliament of India has always held extensive and meaningful debate and deliberations on contemporary global challenges such as climate change, gender equality, sustainable development and covid-19 pandemic. He emphasized that global institutions propagating peace, harmony and justice are crucial for peace, prosperity, sustainability and a just world order.

In this context, Shri Birla said that in global institutions like the UN Security Council, there is a broad consensus among many nations to bring about reforms to

reflect the realities of a rapidly changing world order. Observing that this important matter requires serious discussions, Lok Sabha Speaker stressed that reform in the UN Security Council cannot be delayed any further. He said that it is crucial that the subject is included in future global agendas so that we could contribute more and more in addressing challenges such as climate change, sustainable development, poverty, gender equality and terrorism.

Highlighting India's readiness to fulfill its global obligations, Shri Birla invited attention to the fact that India has carried out the world's largest vaccination programme against COVID-19 for its citizens and at the same time helped other nations in their respective fights against the pandemic by providing medical equipment and vaccines under Vaccine Maitri. Similarly, Shri Birla was happy to note that India is leading the world in the articulation of Global Climate Action Plan to combat the issue of climate change.

Observing that India has always given the message of peace and harmony to the entire world, Shri Birla reiterated India's belief that building inclusive and tolerant society is only possible through peaceful coexistence, mutual discussions and dialogue. He mentioned that our Parliaments have a decisive role to play in this regard. He exhorted the world community to come together to build a better future for the humanity.

A day before, Members of the Indian Parliamentary Delegation participated in various Sessions organized in parallel on the first day of the Assembly. Smt. Poonamben Maadam, MP and a Member of the Bureau of Women Parliamentarians of the IPU, attended the meeting of the Bureau and the plenary session of the forum of Women Parliamentarians. Smt. Aparajita Sarangi, Shri Bhartuhari Mahtab and Shri Radha Mohan Das Agarwal, Members of Parliament, attended the meeting of the Asia Pacific Group of the IPU. During the meeting, Smt. Sarangi, who is also a member of the Executive Committee of the IPU, briefed the Asia-Pacific Group members about the activities of the Executive Committee in the last six months. Later, the group decided its nomination about the forthcoming vacancies in various IPU bodies. Smt. Sumalatha Ambreesh, MP was endorsed by the Group for membership of the High Level Advisory group on Counter Terrorism and violent Extremism.

The Asian Parliamentary Assembly also held its Coordinating Meeting on the sidelines of the Assembly. Shri Vishnu Dayal Ram, and Dr. Sasmit Patra, Members of Parliament attended the above meeting.

मनामा (बहरीन), 12 मार्च 2023: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने अंतर-संसदीय संघ की 146वीं सभा के दौरान हुई आम बहस में "शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और समावेशी समाज को बढ़ावा देना: असहिष्णुता के विरुद्ध लड़ाई" विषय पर अपने विचार साझा करते हुए भारत की संसद में सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए दिए गए निर्बाध अधिकारों का उल्लेख किया। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत में एक मजबूत सहभागी लोकतंत्र और एक जीवंत बहुदलीय प्रणाली है जहां लोगों की आशाएं और आकांक्षाएं निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से अभिव्यक्त होती हैं और लोक सभा में सभी सदस्य अपने विचार और विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं।

लंबे समय से चले आ रहे भारत के इस दृष्टिकोण को दोहराते हुए कि सभी वैश्विक मुद्दों का समाधान बातचीत के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए, उन्होंने सभा को यह जानकारी दी कि भारत की संसद ने हमेशा जलवायु परिवर्तन, महिला-पुरुष समानता, सतत विकास और कोविड -19 महामारी जैसी समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर व्यापक और सार्थक वाद-विवाद और विचार-विमर्श किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शांति, सद्भाव और न्याय का प्रसार करने वाली वैश्विक संस्थाएं शांति, समृद्धि, स्थिरता और न्यायोचित विश्व व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इस संदर्भ में, श्री बिरला ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे वैश्विक संस्थानों में तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था की वास्तविकताओं को दर्शाने के लिए सुधार लाने के मामले में व्यापक सहमति है। यह टिप्पणी करते हुए कि इस महत्वपूर्ण मामले पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता है, लोक सभा अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार में और देरी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस विषय को भविष्य के वैश्विक एजेंडे में शामिल किया जाए ताकि हम जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, गरीबी, महिला-पुरुष समानता और आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने में अधिक से अधिक योगदान दे सकें।

अपने वैश्विक दायित्वों को पूरा करने में भारत की तत्परता के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि भारत ने अपने नागरिकों के लिए COVID-19 के विरुद्ध दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम चलाया और साथ ही अन्य देशों को वैक्सीन मैत्री के तहत चिकित्सा उपकरण और वैक्सीन उपलब्ध कराके इस महामारी से लड़ने में उनकी सहायता भी की। इसके साथ ही श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख भी किया कि भारत जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से निपटने के लिए वैश्विक जलवायु कार्य योजना को कार्य रूप देने में विश्व का नेतृत्व कर रहा है।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत ने पूरी दुनिया को सदा शांति और सद्भाव का संदेश दिया है, श्री बिरला ने भारत के इस विश्वास को दोहराया कि समावेशी और सहिष्णु समाज का निर्माण केवल शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, आपसी चर्चा और संवाद के माध्यम से ही संभव है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि इस संबंध में हमारी संसदों को निर्णायक भूमिका निभानी है। उन्होंने विश्व समुदाय से मानवता के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

इससे पहले, भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया। श्रीमती पूनमबेन माडम, सांसद और आईपीयू के महिला सांसद ब्यूरो की सदस्य, ने ब्यूरो की बैठक और महिला सांसद फोरम के पूर्ण सत्र में भाग लिया। श्रीमती अपराजिता सारंगी, श्री भर्तृहरि महताब और श्री राधा मोहन दास अग्रवाल, संसद सदस्य आईपीयू के एशिया प्रशांत समूह की बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान श्रीमती सारंगी ने पिछले छह महीनों में कार्यकारी समिति की गतिविधियों के बारे में एशिया-प्रशांत समूह के सदस्यों को जानकारी दी। बाद में, समूह ने विभिन्न आईपीयू निकायों में आगामी रिक्रियों के बारे में अपना नामांकन तय किया। श्रीमती सुमलता अंबरीश, सांसद को आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद पर उच्च स्तरीय सलाहकार समूह की सदस्यता के लिए समूह द्वारा समर्थन दिया गया।

एशियाई संसदीय सभा ने सभा के दौरान अपनी समन्वय बैठक भी आयोजित की। श्री विष्णु दयाल राम, और डॉ. सस्मित पात्रा, संसद सदस्य उपरोक्त बैठक में शामिल हुए।